UP TGT-PGT Daily Rank Booster, Hindi Day -9

ENTRI

GET IT ON Google Play

1. रामानंद ने किसकी उपासना पर जोर दिया?

A राम

B कृष्ण

C इन्द्र

D ब्रह्मा

Solution

भक्ति आंदोलन के नेता रामानंद ने राम को भगवान के रूप में लेकर इसे केन्द्रित किया। रामानंद ने उत्तर भारत में जो किया वही रामानुज ने दक्षिण भारत में किया. उन्होंने रुढिवादी कुविचार की बढ़ती औपचारिकता के विरुद्ध आवाज उठाई और प्रेम और समर्पण की नींव पर आधारित वैष्णव विचाराधारा के नए सम्प्रदायक की स्थापना की।

2. **निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य अशुद्ध है?वे तीन बहने हैं।**

A कबीर संत थे।

B **वृक्षों पर बंदर बैठा है।**

C भौरे गुनगुना रहे हैं।

D वे तीन बहने हैं।

Solution

‘वृक्षों पर बंदर बैठा है।’ अशुद्ध वाक्य है क्योंकि इसमें वचन संबंधी त्रुटि है।

वाक्य में ‘वृक्षों’ के स्थान पर उचित वचन का प्रयोग नहीं है, उसके स्थान पर ‘वृक्ष’ का प्रयोग उचित होगा।

3. **‘वह आए तो मैं जाऊँ’- इस वाक्य में कौन सा काल है?**

A **हेतुहेतुमद्भविष्य काल**

B वर्तमान काल

C हेतुहेतुमद् भूत

D भविष्यत् काल

Solution

‘वह आए तो मैं जाऊँ‘ वाक्य में ‘हेतुहेतुमद्भविष्य काल’ है।

हेतुहेतुमद्भविष्य काल - क्रिया के जिस रूप से एक कार्य के सम्पूर्ण होना दूसरी क्रिया पर निर्भर हो।

जैसे - वह खाएगा तो ठीक हो जाएगा।

4. **‘कल शायद ये मौका न मिले’ में कौन सा काल है?**

A वर्तमान काल

B भविष्य काल

C **संभाव्य भविष्यत काल**

D भूतकाल

Solution

‘कल शायद ये मौका न मिले’ में संभाव्य भविष्यत काल होगा।

‘कल शायद ये मौका न मिले’ वाक्य में ‘संभाव्य भविष्यत काल’ का उदाहरण है क्योंकि इसमें किसी कार्य के करने या होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इसलिए दिए गए अन्य सभी विकल्प इसके असंगत उत्तर होंगे। ‘संभाव्य भविष्यत काल’ इसका सही उत्तर है।

संभाव्य भविष्यत काल- जिस में किसी कार्य के होने की संभावना हो वह संभाव्य भविष्यत कल कहलाता है। जैसे- हो सकता है की कल वो आ जाए। आदि।

5. **'राजा भोज का सपना' कहानी के कहानीकार है-**

A भारतेंदु हरिश्चंद्र

B प्रेमचंद

C मोहन राकेश

D शिवप्रसाद सितारेहिंद

Solution

'राजा भोज का सपना' कहानी 1905 में प्रकाशित हुई थी। इस कहानी में राजा भोज के उस सपने की चर्चा हुई है, जिसके बाद उनकी ज़िन्दगी बदल गई और उन्होंने अच्छे कार्य किए।

राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिन्द' हिन्दी के उन्नायक एवं साहित्यकार थे। वे शिक्षा-विभाग में कार्यरत थे। उनके प्रयत्नों से स्कूलों में हिन्दी को प्रवेश मिला। उस समय हिन्दी की पाठ्यपुस्तकों का बहुत अभाव था। उन्होंने स्वयं इस दिशा में प्रयत्न किया और दूसरों से भी लिखवाया। आपने 'बनारस अखबार(1845)' नामक एक हिन्दी पत्र निकाला और इसके माध्यम से हिन्दी का प्रचार-प्रसार किया। तथा यह पत्रिका साप्ताहिक थी। इनकी भाषा में फारसी-अरबी के शब्दों का अधिक प्रयोग होता था।

6. निम्नलिखित विकल्पों में से वाक्य का शुद्ध रूप क्या है?

A सीता की चरित्र अच्छा है।

B सीता का चरित्र अच्छी है।

C सीता का चरित्र अच्छा है।

D सीता की चरित्र अच्छी है।

Solution

'सीता का चरित्र अच्छा है।' शुद्ध वाक्य है क्योंकि इसमें कोई त्रुटि नहीं है।

'सीता की चरित्र अच्छा है।' में शब्द कारक संबंधी अशुद्धि है। यहाँ 'की' के स्थान पर 'का' कारक का प्रयोग होगा।

'सीता की चरित्र अच्छी है।' वाक्य में कारक और विशेषण दोनों में अशुद्धि है। 'की/अच्छी' के स्थान पर 'का/अच्छा' का प्रयोग होना चाहिए।

'सीता का चरित्र अच्छी है।' वाक्य में विशेषण प्रयोग उचित नहीं है। 'अच्छी' के स्थान पर 'अच्छा' होना चाहिए।

7. **निम्न में से कौन सी बोली पूर्वी हिंदी के अंतर्गत नहीं आती ?**

A छत्तीसगढ़ी

B **बुन्देली**

C बघेली

D अवधी

Solution

बुन्देली पश्चिमी हिंदी के अंतर्गत आती है।

पूर्वी हिंदी की तीन शाखाएँ हैं - अवधी, बघेली और छत्तीसगढ़ी।

अवधी अर्धमागधी प्राकृत की परंपरा में है। यह अवध में बोली जाती है। इसके दो भेद हैं - पूर्वी अवधी और पश्चिमी अवधी। अवधी को बैसवाड़ी भी कहते हैं। तुलसी के रामचरितमानस में अधिकांशत: पश्चिमी अवधी मिलती हैं और जायसी के पदमावत में पूर्वी अवधी। बघेली बघेलखंड में प्रचलित है। यह अवधी का ही एक दक्षिणी रूप है।

बघेली या बाघेली बोली, हिन्दी की एक बोली है जो भारत के बघेलखण्ड क्षेत्र में बोली जाती है। बघेले राजपूतों के आधार पर रीवा तथा आसपास का क्षेत्र बघेलखंड कहलाता है और वहाँ की बोली को बघेलखंडी या बघेली कहलाती हैं। इसके अन्य नाम मन्नाडी, रिवाई, गंगाई, मंडल, केवोत, केवाती बोली, केवानी और नागपुरी हैं।

8. हिन्दुस्तानी भाषा की व्युत्पत्ति हुई है:

A नई हिंदी और उर्दू के मिश्रण से

B अंग्रेजी, स्पेनिश और अरबी के मिश्रण से

C उर्दू और फारसी के मिश्रण से

D पुरानी हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी के मिश्रण से

Solution

हिन्दुस्तानी भाषा की व्युत्पत्ति पुरानी हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी के मिश्रण से हुई है।

हिन्दुस्तानी भाषा हिन्दी और उर्दू का एकीकृत रूप है। ये हिन्दी और उर्दू, दोनो के बोलचाल की भाषा है। इसमें संस्कृत के तत्सम शब्द और अरबी-फ़ारसी के उधार लिये गये शब्द, दोनों कम होते हैं। यही हिन्दी और उर्दू का वह रूप है जो भारत की जनता रोज़मर्रा के जीवन में उपयोग करती है और हिन्दी सिनेमा इसी पर आधारित है। ये हिन्द यूरोपीय भाषा परिवार की हिन्द आर्य शाखा में आती है। ये देवनागरी या फ़ारसी-अरबी, किसी भी लिपि में लिखी जा सकती है।

9. **'पंच - परमेश्वर' कहानी के लेखक का नाम है:**

A **प्रेमचंद**

B अमरकांत

C भीष्म साहनी

D यशपाल

Solution

पंच परमेश्वर प्रेमचंद की हिन्दी में पहली प्रकाशित कहानी थी। यह सन 1916 में प्रकाशित हुई थी। इसके पहले उनका एक रहस्य उपन्यास धारावाहिक रूप से 1903 में प्रकाशित हुआ था लेकिन वह पूरा प्रकाशित नहीं हो सका था उसको रोक देना पड़ा था।

10. **निम्न में से "बद" उपसर्ग से बना शब्द नहीं है:**

A बददिमाग

B **बाकायदा**

C बदबू

D बदतमीज

Solution

बदतमीज – बद + तमीज

बदबू – बद + बू

बाकायदा – बा + कायदा

बददिमाग – बद + दिमाग

ENTRI

GET IT ON Google Play